STATE BANK OF INDIA

GSR / 002

RECEIPT

STATE BANK OF INDIA

_______________ Branch _______________ Code No. _______________

Received a sum of ₹ 450000/-

(Rupees Four Lakhs Fifty thousand only.

only)

from Smt. / Shri Shalini jain w/o Vikrant jain etc p/o Bhar

s/o, d/o, w/o

residing at seller kanti w/o Lt Ramesh Kumar etc B.Garh. for credit to Government of Haryana

account towards Stamp Duty.

Date: 8/4/14.

Place: B.Garh

(Signatures of Authorised Officer)

1.	दस्तावेज की किस्म	:	बैयनामा
2.	बिकी पत्र	:	**75,00,000 /–**
3.	स्टाम्प डयूटि	:	**4,50,000 /–**
4.	किस्म प्रापर्टी	:	फ्री–होल्ड प्लॉट रकबा **500** वर्ग गज
5.	वाक्या	:	मौजा हसनपुर, बहादुरगढ़
		:	अन्दरून हदुद नगर पालिका
6.	भुगतान	:	बजरिये चैक
7.	रेट लिस्ट नम्बर	:	
8.	स्टाम्प / रसीद नं0 व तिथि	:	**GSR/002:**107209 8·4·2014
9	खजाना / बैंक	:	स्टेट बैंक आफ इण्डिया, बहादुरगढ

बिक्री पत्र

हम कि (1) सुनील (1/4 भाग) (2) संजय (1/4 भाग) पुत्रान श्री धर्मवीर पुत्र श्री कृपा राम एवं (3) श्रीमती कान्ती (1/2 भाग) पत्नी स्व0 श्री रमेश कुमार पुत्र श्री कृपा राम निवासियान

क्रमशः पेज – 2

प्रलेख न: 119

दिनाँक 15/04/2014

डीड सबंधी विवरण		
डीड का नाम SALE WITH IN MC AREA		
तहसील/सब-तहसील बहादुरगढ	गांव/शहर हसनपुर	स्थित MIE Hudda व Free Hold
भवन का विवरण		
भूमि का विवरण		
व्यवसायिक	500 Sq. Yards	
धन सबंधी विवरण		
राशि 7,500,000.00 रुपये	कुल स्टाम्प डयूटी की राशि 450,000.00 रुपये	
स्टाम्प की राशि 450,000.00 रुपये	रजिस्ट्रेशन फीस की राशि 15,000.00 रुपये	पेस्टिंग शुल्क 2.00 रुपये

Drafted By: Rameshwar Kumar

Service Charge: 200.00 रुपये

यह प्रलेख आज दिनाँक 15/04/2014 दिन मंगलवार समय 12:46:00PM बजे श्री/श्रीमती/कुमारी सुनील पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी धर्मबीर निवासी टीकरी कला दिल्ली द्वारा पंजीकरण हेतु प्रस्तुत किया गया।

उप / सयुंक्त पंजीयन अधिकारी
बहादुरगढ

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता

श्री सुनील, धर्मबीर, संजय

उपरोक्त विक्रेता व श्री/श्रीमती/कुमारी प्रवीण जैन क्रेता हाजिर है। प्रस्तुत प्रलेख के तथ्यो को दोनो पक्षो ने सुनकर तथा समझकर स्वीकार किया। प्रलेख के अनुसार 0.00 रुपये की राशि क्रेता ने मेरे समक्ष विक्रेता को अदा की तथा प्रलेख मे वर्णित अग्रिम अदा की गई राशि के लेन देन को स्वीकार किया।
दोनो पक्षो की पहचान श्री/श्रीमती/कुमारी अशोक नम्बरदार पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी निवासी ब.गढ व श्री/श्रीमती/कुमारी धर्मबीर पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी श्रीकृष्ण निवासी ने की।
साक्षी न: 1 को हम नम्बरदार/अधिवक्ता के रूप में जानते है तथा वह साक्षी न:2 की पहचान करता है।

दिनाँक 15/04/2014

उप / सयुंक्त पंजीयन अधिकारी
बहादुरगढ

गांव टीकरी कलां, दिल्ली के हैं। जो कि एक किता व्यवसायिक प्लॉट आराजी रकबा खाता नम्बर 335 मिन, किला नम्बरान 32//8/2, 8/3, 13/2, 13/3 13 रकबा 500 वर्ग गज मौजा गांव हसन पुर रकबा परनाला, वाक्या एम.आई.ई., अन्दर हदुद नगर पालिका, बहादुरगढ़, जिला झज्जर, जिसकी सीमायें एवं दिशायें निम्न प्रकार से हैं:-

पूर्वः- प्लॉट दीगरान 184'—00" पश्चिमः- प्लॉट दीगरान 184'—00"
उत्तरः- प्लॉट नम्बर 510 24'.6" दक्षिणः- रास्ता सरेआम 24'-6"

बरूवे रपट नम्बर 154 दिनांक 10-10-2013 एवं मन्जूर शुदा विरासत इन्तकाल नम्बर 9013 दिनांक 12-10-2013 एवं माननीय सब-जज श्री जे.आर. चौहान, एडिशनल सिविल सीनीयर जज, बहादुरगढ़, जिला झज्जर द्वारा सिविल सूट नम्बर 331/95 के सम्बन्ध में दिए गए डिक्री आदेश दिनांक 17-08-1995 एवं मन्जूर शुदा विरासत इन्तकाल नम्बर 8987 दिनांक 12-10-2013 के तहत उपरोक्त वर्णित हिस्से अनुसार हमारी मलकियत है, जिसके हम अपने-अपने हिस्से के पूर्ण रूपेण मालिक वा काबिज हैं तथा रकबा मजकूर हर प्रकार के ऋण व भार से पूर्णतया मुक्त है। उक्त रकबे के मालिक वा काबिज होने के नाते हमें रकबा मजकूर को बिक्री करने का पूरा-पूरा हक एवं अखित्यार हासिल है। हम विक्रेतागण के द्वारा रकबा मजकूर की बिक्री बाबत महकमा सम्पदा कार्यालय, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, बहादुरगढ़, हरियाणा से सम्पदा अधिकारी, बहादुरगढ़ द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र कार्यालय पत्र क्रमांक 815 दिनांक 25-03-2014 भी प्राप्त कर लिया गया है। अतः अब हम अपने पूर्ण होशो हवास की स्थिति में बिना किसी बहकावे अथवा सिखावे के प्रतिज्ञा करते एवं लिख देते हैं कि हमनें अपने-अपने हिस्से के रकबा मजकूर को मय जुमला हक राह रास्ते आमन्दो रफत कुल अधिकारों सहित बामुकाबले कुल बिक्रीधन मु0 <u>75,00,000/- रूपये</u> <u>(मु0 पिचहतर लाख रूपये केवल)</u> आधे जिनके <u>37,50,000/- रूपये</u> होते हैं, बदस्त मैसर्ज नवकार मार्किटिंग

क्रमशः पेज - 3

कम्पनी बजरिये प्रोपराईटर श्री प्रवीण जैन सुपुत्र श्री औमप्रकाश जैन निवासी दुकान नम्बर 13, अनाज मण्ड़ी, बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा एवं श्रीमती शालिनी जैन पत्नी श्री विक्रान्त जैन निवासी व्यास गली, बहादुरगढ़, जिला झज्जर (भाग बराबर) को बिक्री कर दिया है। बिक्रीधन उक्त रकबे अपने-अपने हिस्से अनुसार निम्नानुसार वसूल पा लिया है:-

<u>कुल बिक्रीधन की अदायगी का विवरण</u>

क्र.	चैक नम्बर एवं दिनांक	राशि	जारी कर्ता	बैंक का नाम	प्राप्तकर्ता
1	376221 Dt. 11-12-2013	4,00,000/-	Navkar Marketing Co.	PNB, Railway Road, Bahadurgarh	Sunil Solanki
2	376222 Dt. 11-12-2013	4,00,000/-	Navkar Marketing Co.	PNB, Railway Road Bahadurgarh	Sanjay Solanki
3	376240 Dt, 09-04-2014	5,28,125/-	Navkar Marketing Co.	PNB, Railway Road Bahadurgarh	Sunil Solanki
4	376241 Dt. 09-04-2014	5,28,125/-	Navkar Marketing Co.	PNB, Railway Road Bahadurgarh	Sanjay Solanki
5	376242 Dt. 09-04-2014	18,56,250/-	Navkar Marketing Co.	PNB, Railway Road Bahadurgarh	Kanti Devi
6	159626 Dt. 30-11-2013	4,00,000/-	Mrs. Shalini Jain	Indian Bank, Bahadurgarh	Kanti Devi
7	159583 Dt. 30-11-2013	3,00,000/-	Mrs. Shalini Jain	Indian Bank, Bahadurgarh	Kanti Devi
8	159585 Dt. 09-04-2014	11,56,250/-	Mrs. Shalini Jain	Indian Bank, Bahadurgarh	Kanti Devi
9	159586 Dt. 09-04-2014	9,28,125/-	Mrs. Shalini Jain	Indian Bank Bahadurgarh	Sunil Solanki
10	159587 Dt. 09-04-2014	9,28,125/-	Mrs. Shalini Jain	Indian Bank Bahadurgarh	Sanjay Solanki
	Total	74,25,000/-			

तमाम कुल बिक्रीधन पर बनने वाली टी.डी.एस. की राशि काट ली गई है। कब्जा रकबा पर क्रेतागण का करवा दिया है। क्रेतागण मालिक उक्त रकबे के हो गये है। रजिस्टरी खर्च एवं स्टॉम्प खर्च सारा क्रेतागण ने अपने पास से लगाया है।

Sunil Sanjay

क्रमशः पेज - 4

कान्ती

विक्रेता

क्रेता

गवाह

विक्रेता	सुनील
विक्रेता	संजय
विक्रेता	कान्ती
क्रेता	प्रवीण जैन
क्रेता	मैन अनिल विक्रान्त जैन
गवाह	अशोक नम्बरदार
गवाह	धर्मबीर

रकबा मजकूर माननीय अदालत से डिक्री आदेश पारित होने एवं विरासत से इन्तकाल मन्जूर होने उपरान्त हमारे नाम आया है जिसमे कोई किसी प्रकार का वाद-विवाद या कोई कानूनी वाद वा अडचन नहीं है फिर भी यदि भविष्य में रकबा मजकूर की मलकियत बारे किसी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न होती है अथवा किसी दीगर के द्वारा रकबा मजकूर की मलकियत बारे क्लेम या दावा किया जाता है तो हम विक्रेतागण स्वयं अपने प्रयास एवं खर्चे पर रकबा मजकूर को विवाद एवं भार मुक्त करवाने के लिए पाबन्द रहेंगें और बिक्री पत्र तहरीर होने के उपरान्त भी यदि हमारी रकबा मजकूर से सम्बन्धित मामले में आवश्यकता पड़ती है तो हम व्यक्तिगत रूप से हाजिर होने, हस्ताक्षर करने एवं ब्यान देने के लिए पाबन्द रहेंगें। यदि रकबा मजकूर की बाबत हम विक्रेतागण के द्वारा किसी भी सरकारी/गैर सरकारी अथवा वित्तिय संस्थान से कोई ऋण अथवा लोन नहीं लिया है और न ही रकबा मजकूर को आड़, रहन आदि करवाया हुआ है फिर भी यदि कोई नुक्शे ऋण मलकियत आदि पाई जाती है तो भी हम विक्रेतागण हर प्रकार से स्वयं जिम्मेवार रहेंगें।

अतः यह बिक्री पत्र फरीकेन के कहने के अनुसार, मजमून बनाकर तहरीर किया गया है तथा फरीकेन द्वारा बिक्री पत्र के मजमून को अच्छी प्रकार से पढ़-सुन व समझकर अपने-अपने हस्ताक्षर एवं अंगूठाजात किए हैं ताकि प्रमाण रहे एवं बावक्त जरूरत काम आवे।

अतएव यह बिक्री पत्र लिख दिया है ताकि प्रमाण रहे । आज दिनांक : 15-04-2014
नोट:- जिसका सैलडीड नं० 3091 तारीख 04-02-1963 है।

विक्रेतागण

क्रेता

(सुनील) (संजय) (श्रीमती कान्ती)

Sunil Sanjay [signatures]

(मैसर्ज नवकार मार्किटिंग कम्पनी)

बजरिये प्रोप्राईटर प्रवीण जैन

Praveen Jain [signature]

(श्रीमती शालिनी जैन)

मिन जानिब विक्रान्त जैन

[signature]

गवाह :- Dharam Vir [signature]

1 धर्म वीर पुत्र श्री कृष्णा राम बहादुरगढ़

2 अशोक कुमार [signature]
अशोक नम्बरदार R/o. बहादुरगढ़

[signature]
Advocate
Civil Court, Bahadurgarh

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि यह प्रलेख कर्मांक 119 आज दिनाँक 15/04/2014 को बही नः 1 जिल्द नः 295 के पृष्ठ नः 159 पर पँजीकृत किया गया तथा इसकी एक प्रति अतिरिक्त बही सख्या 1 जिल्द नः 844 के पृष्ठ सख्या 17 से 19 पर चिपकाई गयी। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज के प्रस्तुतकर्ता और गवाहो ने अपने हस्ताक्षर/निशान अंगुठा मेरे सामने किये है ।

दिनाँक 15/04/2014

उप / सयुँक्त पँजीयन अधिकारी
बहादुरगढ